



सूझ-बूझ ही आगे आने लगती है?

उत्तर

जहाँ व्यवहारिकता होती है वहाँ आदर्श टिक नहीं पाते। वास्तव में व्यवहारिकता ही अवसरवादिता का दूसरा नाम है।

3. हमारे जीवन की रफ्तार बढ़ गई है। यहाँ कोई चलता नहीं बल्कि दौड़ता है। कोई बोलता नहीं, बकता है। हम जब अकेले पड़ते हैं तब अपने आपसे लगातार बड़बड़ाते रहते हैं।

उत्तर

जीवन की भाग-दौड़, व्यस्तता तथा आगे निकलने की होड़ ने लोगों का चैन छीन लिया है। हर व्यक्ति अपने जीवन में अधिक पाने की होड़ में भाग रहा है। इससे तनाव व निराशा बढ़ रही है।

4. सभी क्रियाएँ इतनी गरिमापूर्ण ढंग से कीं कि उसकी हर भंगिमा से लगता था मानो जयजयवंती के सुर गूँज रहे हों।

उत्तर

चाय परोसने वाले ने बहुत ही सलीके से काम किया। झुककर प्रणाम करना, बरतन पौछना, चाय डालना सभी धीरज और सुंदरता से किए मानो कोई कलाकार बड़े ही सुर में गीत गा रहा हो।

भाषा अध्ययन

1. नीचे दिए गए शब्दों का वाक्यों में प्रयोग किजिए

व्यावहारिकता, आदर्श, सूझबूझ, विलक्षण, शाश्वत

उत्तर

(क) व्यावहारिकता – दादाजी की व्यावहारिकता

सीखने योग्य है।

(ख) आदर्श – आज के युग में गाँधी जैसे
आदर्शवादिता की ज़रूरत है।

(ग) सूझबूझ – उसकी सूझबूझ ने आज मेरी जान
बचाई।

(घ) विलक्षण – महेश की अपने विषय में विलक्षण
प्रतिभा है।

(ङ) शाश्वत – सत्य, अहिंसा मानव जीवन के
शाश्वत नियम हैं।

2. नीचे दिए गए द्वंद्व समास का विग्रह कीजिए

(क) माता-पिता =

(ख) पाप-पुण्य =

(ग) सुख-दुख =

(घ) रात-दिन =

(ङ) अन्न-जल =

(च) घर-बाहर =

(छ) देश-विदेश =

उत्तर

(क) माता-पिता = माता और पिता

(ख) पाप-पुण्य = पाप और पुण्य

(ग) सुख-दुख = सुख और दुख

(घ) रात-दिन = रात और दिन

(ङ) अन्न-जल = अन्न और जल

(च) घर-बाहर = घर और बाहर

(छ) देश-विदेश = देश और विदेश

3. नीचे दिए गए विशेषण शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाइए -

(क) सफल =

(ख) विलक्षण =

(ग) व्यावहारिक =

(घ) सजग =

(ङ) आर्दशवादी =

(च) शुद्ध =

उत्तर

(क) सफल = सफलता

(ख) विलक्षण = विलक्षणता

(ग) व्यावहारिक = व्यावहारिकता

(घ) सजग = सजगता

(ङ) आर्दशवादी = आर्दशवादिता

(च) शुद्ध = शुद्धता

पृष्ठ संख्या: 124

4. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित अंश पर ध्यान दीजिए और शब्द के अर्थ को समझिए -

शुद्ध सोना अलग है।

बहुत रात हो गई अब हमें सोना चाहिए।

ऊपर दिए गए वाक्यों में 'सोना' का क्या अर्थ है?

पहले वाक्य में 'सोना' का अर्थ है धातु 'स्वर्ण'। दूसरे

वाक्य में 'सोना' का अर्थ है 'सोना' नामक क्रिया।

अलग-अलग संदर्भों में ये शब्द अलग अर्थ देते हैं

अथवा एक शब्द के कई अर्थ होते हैं। ऐसे शब्द

अनेकार्थी शब्द कहलाते हैं। नीचे दिए गए शब्दों के

भिन्न-भिन्न अर्थ स्पष्ट करने के लिए उनका

वाक्यों में प्रयोग कीजिए -

उत्तर, कर, अंक, नग

उत्तर

(क) उत्तर - मैंने सभी प्रश्नों के उत्तर लिख लिए हैं।

तुम्हें उत्तर दिशा में जाना है।

(ख) कर - हमने सभी कर चुका दिए हैं।
मंत्री जी ने अपने कर कमलों से दीप प्रज्ज्वलित किया।

(ग) अंक - राम के परीक्षा में अच्छे अंक आए हैं।
बच्चा अपनी माँ की अंक में बैठा है।

(घ) नग - हीरा एक कीमती नग है।
हिमालय एक बड़ा नग है।

5. नीचे दिए गए वाक्यों को संयुक्त वाक्य में बदलकर लिखिए -

(क) 1. अँगीठी सुलगायी।

2. उस पर चायदानी रखी।

(ख) 1. चाय तैयार हुई।

2. उसने वह प्यालों में भरी।

(ग) 1. बगल के कमरे से जाकर कुछ बरतन ले आया।

2. तौलिये से बरतन साफ़ किए।

उत्तर

(क) अँगीठी सुलगायी और उसपर चायदानी रखी।

(ख) चाय तैयार हुई और उसने वह प्यालों में भरी।

(ग) बगल के कमरे में जाकर कुछ बरतन ले आया और तौलिये से बरतन साफ़ किए।

6. नीचे दिए गए वाक्यों से मिश्र वाक्य बनाइए -

(क) 1. चाय पीने की यह एक विधि है।

2. जापानी में उसे चा-नो-यू कहते हैं।

(ख) 1. बाहर बेढब-सा एक मिट्टी का बरतन था।

2. उसमें पानी भरा हुआ था।

(ग) 1. चाय तैयार हुई।

2. उसने वह प्यालों में भरी।

3. फिर वे प्याले हमारे सामने रख दिए।

उत्तर

(क) यह चाय पीने की एक विधि है जिसे जापानी चा-नो-यू कहते हैं।

(ख) बाहर बेढब सा एक मिट्टी का बरतन था जिसमें पानी भरा हुआ था।

(ग) जब चाय तैयार हुई तो उसने प्यालों में भरकर हमारे सामने रख दी।